दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 241 शुक्रवार 27 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

मंत्रालय का दावा: देश में डीजल पेट्रोल, गैस का कोई संकट नहीं

नई दिल्ली (आभा)। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गुरुवार को स्पष्ट रूप से कहा कि देश में पेट्रोलियम और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि देश भर के सभी खुदरा ईंधन आउटलेट्स में पर्याप्त स्टॉक है और भारत में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कमी नहीं है। मंत्रालय ने नागरिकों को चेतावनी दी है कि वे अनावश्यक दहशत फैलाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान के झांसे में न आएं। मंत्रालय के अनुसार, ऊर्जा सुरक्षा के मामले में भारत की स्थिति मजबूत बनी हुई है।

मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि भारत विश्व का चौथा सबसे बड़ा पेट्रोलियम शोधक और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक है, जो 150 से अधिक देशों को परिष्कृत ईंधन की आपूर्ति करता है। चूंकि भारत विश्व को शुद्ध निर्यातक है, इसलिए घरेलू पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता संरचनात्मक रूप से सुनिश्चित है। इसमें कहा गया है कि एक लाख से अधिक ईंधन आउटलेट सामान्य रूप से काम कर रहे हैं, आपूर्ति निर्बाध है और राशनिंग के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किए गए हैं।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, वैश्विक स्तर पर चाहे जो भी स्थिति हो, प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए लगभग दो महीने की स्थिर आपूर्ति उपलब्ध है। जहां कई देश ईंधन की कमी, कीमतों में बढ़ोतरी, राशनिंग और यहां तक घ्क आपातकाल जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, वहीं भारत ने ऐसे कदम उठाना जरूरी नहीं समझा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि कुछ पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक सामग्री के कारण घबराहट में खरीदारी की वजह से लगीं। मांग में इस अस्थायी उछाल के बावजूद, ईंधन की आपूर्ति बनाए रखी गई ।

एक नजर

हाईटेंशन तार से झुलसकर युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिले के छावनी थाना क्षेत्र के नटौवा गांव में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। युवक अपने मकान का निर्माण करा रहा था, तभी वह 11 हजार वोल्ट की लाइन की चपेट में आ गया।

मृतक की पहचान नटौवा गांव निवासी श्रीकांत शुक्ल (पुत्र जानकी शरण) के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजन उसे तत्काल सीएचसी विक्रमजोत ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज होने तक शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। छावनी पुलिस मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाने का प्रयास कर रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में विद्युतीकरण के दौरान ठेकेदारों ने 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन आबादी के बीच से गुजारी थी। इसी लाइन के समानांतर एलटी लाइन भी बिछाई गई है, जिससे हादसे का खतरा बना रहता है।

इस संबंध में हरैया के अधिशाषी अभियंता अजय मौर्य ने बताया कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कन्या पूजन कर दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत महिला अस्पताल परिसर में स्थिति सखी वन स्टॉप सेंटर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा की अध्यक्षता में कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं के सम्मान, सुरक्षा एवं उनके प्रति समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करना रहा।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा द्वारा विधि–विधान से कन्या पूजन किया गया तथा उपस्थित बालिकाओं को चुनरी ओढ़ाकर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं को टिफिन, पानी की बोतल, बैग, ज्योमेट्री बॉक्स सहित अन्य उपयोगी उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान श्रीमती नेहा वर्मा ने कहा कि मिशन शक्ति के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन और सशक्तिकरण हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने समाज से बेटियों के सम्मान एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

इस अवसर पर बाल संरक्षण अधिकारी बीना सिंह, वरिष्ठ सहायक अशोक सिंह, सखी वन स्टॉप सेंटर का स्टाफ एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

इनामी बाइक चोर गिरफ्तार: फरार आरोपी पर 13 मुकदमे दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कप्तनगंज पुलिस ने 50,000 के इनामी वांछित मोटरसाइकिल चोर लालमन यादव को गिरफ्तार किया है। वह वर्ष 2019 से फरार चल रहा था। यह गिरफ्तारी कप्तानगंज पुलिस, एसओजी टीम और सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में हुई।

जानकारी के अनुसार, अभियुक्त लालमन यादव (पुत्र राम प्रकाश यादव, निवासी बनहा, थाना कप्तानगंज, जनपद बस्ती, उम्र लगभग 25 वर्ष) को 26 मार्च 2026 को महराजगंज ओवरब्रिज अंडरपास के समीप से पकड़ा गया। उस पर थाना कप्तानगंज में मु.अ.सं. 209/2019 के तहत धारा 419, 420, 467, 471, 413 आईपीसी के तहत मामला दर्ज है।

इस मामले की पृष्ठभूमि 27 नवंबर 2019 की है, जब कप्तानगंज पुलिस और स्वाट टीम ने दीप नारायण यादव और अतुल पाठक को गिरफ्तार कर उनके पास से दो मोटरसाइकिलें और 1200 ग्राम गांजा बरामद किया था। पूछताछ के दौरान लालमन यादव और विजय कुमार चौधरी उर्फ टोनी का नाम सामने आया था। विजय कुमार के घर से सात चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई थीं। तभी से लालमन यादव फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर 50,000 का इनाम घोषित किया गया था।

अभियुक्त लालमन यादव का आपराधिक इतिहास गंभीर है। उस पर कप्तानगंज, कोतवाली बस्ती, थाना पैकोलिया और थाना दुबौलिया सहित विभिन्न थानों में कुल 13 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इन मुकदमों में चोरी, धोखाधड़ी और जालसाजी जैसी गंभीर धाराएं शामिल हैं।

इस गिरफ्तारी अभियान में थानाध्यक्ष आलोक कुमार श्रीवास्तव, एसओजी प्रभारी निरीक्षक विकास कुमार यादव, उपनिरीक्षक गजेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल अभय उपाध्याय, हेड कांस्टेबल सतीश सिंह (सर्विलांस सेल), हेड कांस्टेबल शिवम यादव और कांस्टेबल चंदन भारती की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रारम्भिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव– राजकुमार शुक्ला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद के प्राथमिक विद्यालय कूड़ी में को–लोकेटेड आंगनबाड़ी एवं बाल वाटिका के अंतर्गत विद्यालय स्तरीय "नवारंभ उत्सव", वार्षिकोत्सव एवं स्कूल अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभा, शिक्षकों की सक्रियता और अभिभावकों की सहभागिता रही।

मुख्य अतिथि भाजपा नेता राजकुमार शुक्ला ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव होती है। उन्होंने विद्यालय परिवार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

विशिष्ट अतिथियों में एसआरजी अंगद पाण्डेय एवं एआरपी प्रदीप कुमार गुप्ता ने सहभागिता कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। संचालन एवं आयोजन प्रधानाध्यापिका सुनीता चौधरी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में सृष्टि शर्मा, सौम्या पाण्डेय, मीना कुमारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बालजती शुक्ला, सहायिका आरती देवी सहित समस्त छात्र–छात्राएं एवं अभिभावक उपस्थित रहे। शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, गीत, नृत्य एवं शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। विद्यालय परिवार की ओर से अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया गया।

रमेश चन्द्र बस्ती मण्डल के प्रतिनिधि मनोनीत

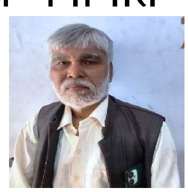

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । उत्तर प्रदेश पंशनर्स कल्याण संस्था के मण्डल अध्यक्ष विजय प्रताप पाल ने सेवा निवृत्त ग्राम पंचायत अधिकारी रमेश चन्द्र श्रीवास्तव को कार्यकारिणी सदस्य जलालुद्दीन कुरेशी की सहमति से उत्तर प्रदेश पंशनर्स कल्याण संस्था के बस्ती मण्डल का प्रतिनिधि मनोनीत किया है।

रमेश चन्द्र श्रीवास्तव को बस्ती मण्डल प्रतिनिधि मनोनीत किये जाने पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, मंत्री तौलू प्रसाद, गौरीशंकर आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। रमेश चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि सेवा निवृत्त कर्मचारियों के हितों के लिये उनका प्रयास निरन्तर जारी रहेगा।

पेट्रोल, डीजल के लिये उमड़े लोग, कई पेट्रोल पम्पों पर सन्नाटा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रशासन द्वारा डीजल, पेट्रोल, घरेलू गैस सिलेन्डर के उपलब्धता के दावे के बावजूद जिले में पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत सामने आई है। शहर के कई पेट्रोल पंप पर ईंधन नहीं है, जबकि जिन पंपों पर ईंधन उपलब्ध है, वहां भारी भीड़ और अफरातफरी का माहौल है। लोग घंटों लंबी कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार मालवीय रोड स्थित सरस्वती पेट्रोल पंप पूरी तरह खाली पाया गया। यहां पेट्रोल और डीजल दोनों समाप्त हो चुके हैं, जिससे वाहन चालकों को निराश होकर लौटना पड़ा। पंप प्रबंधक जगदीश राव ने बताया कि बुधवार रात को ही स्टॉक खत्म हो गया था। नए टैंकर के लिए ऑर्डर

दे दिया गया है और उसके पहुंचते ही वितरण शुरू कर दिया जाएगा।

कंपनी बाग स्थित आरकेबीके पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने के लिए भारी भीड़ देखी गई। इस पंप पर डीजल पूरी तरह समाप्त हो चुका है और केवल पेट्रोल की आपूर्ति जारी है। पंप प्रबंधक भानु प्रताप पाण्डेय ने बताया कि हाल ही में टैंकर आया था, लेकिन अत्यधिक मांग के कारण डीजल जल्द खत्म हो गया।

उन्होंने यह भी बताया कि स्टॉक का आकलन अब घंटों के हिसाब से किया जा रहा है, न कि दिनों के हिसाब से। इसके अतिरिक्त, मालवीय रोड पर स्थित नवयुग पेट्रोल पंप भी पूरी तरह से ड्राई हो गया है, ग्रामीण क्षेत्र के भी पंप ज्यादातर ड्राई हो गए हैं। लगातार बढ़ती मांग और सीमित आपूर्ति के कारण जिले में स्थिति और बिगड़ती जा रही है।

ज्ञात रहे कि युद्ध का सबसे अधिक असर एलपीजी पर पड़ा है, क्योंकि देश अपनी कुल मांग का लगभग 60 प्रतिशत आयात से पूरा करता है। इसका बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आता है, जहां से आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस स्थिति में सरकार ने घरेलू रसोई गैस आपूर्ति को प्राथमिकता दी और होटल–रेस्तरां जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के लिए एलपीजी उपयोग को कम से कम आधा कर दिया गया है।

युद्ध विराम प्रस्ताव खारिज होने के बीच ट्रंप ने दिया चेतावनी

तेल अबीब/तेहरान, वाशिंगटन (आभा)। अमेरिका के 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव को ईरान ने मानने से इनकार कर दिया है। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर भड़क गए हैं। उन्होंने ईरान की ओर से बातचीत करने वालों को जल्द ही सीरियस होने के लिए कहा है, वरना फिर पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं बचेगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ईरान की ओर से बातचीत करने वालों पर हमला बोला है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, 'ईरानी बातचीत करने वाले बहुत अलग और अजीब हैं। वे हमसे डील करने की भीख मांग रहे हैं, जो उन्हें करना भी चाहिए क्योंकि वे मिलिट्री तौर पर पूरी तरह खत्म हो चुके हैं, और उनके वापस आने का कोई चांस नहीं है। फिर भी वे सबके सामने कहते हैं कि वे सिर्फ हमारे प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं। गलत!!! उन्हें जल्द ही सीरियस हो जाना चाहिए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, क्योंकि एक बार ऐसा हो गया, तो फिर पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं होगा, और यह बिल्कुल भी अच्छा नहीं होगा।

इससे पहले, ईरान ने बुधवार को पश्चिम एशिया में युद्धविराम के अमेरिका के प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इजरायल व खाड़ी अरब देशों पर हमले तेज कर दिए। ईरान ने कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को भी निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गयी। ईरान ने यह जवाबी हमले ऐसे समय में किये हैं, जब इजराइल ने तेहरान पर हवाई हमले किए ।

विवादित जमीन पर कब्जे की कोशिश: पुलिस ने दोनों पक्षों को दिया सख्त हिदायत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शहर के मालवीय रोड पर गुरुवार को एक विवादित भूमि पर फिर से कब्जे की कोशिश की गई। इस दौरान मौके पर एक ट्रॉली नई ईंटें गिराई गईं। विवादित भूमि पर दो पक्ष अपनी–अपनी दावेदारी सालों से करते आ रहे हैं। एक पक्ष ने दावा किया कि उनके पास सीमांकन के लिए हाईकोर्ट का आदेश है, जबकि दूसरे पक्ष का कहना था कि मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है।

विवाद की स्थिति को देखते हुए किसी ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस और रौता चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों पक्षों से कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की और सख्त हिदायत दी कि कानून हाथ में लेने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। मौके पर कुछ अधिवक्ता भी मौजूद थे।

यह विवादित भूमि है जहां 'तड़का रेस्टोरेंट' संचालित होता है। कुछ माह पहले भी इस भूमि पर कब्जे को लेकर जमकर ईंट–पत्थर चले थे, जिसमें कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई थीं। उस घटना के बाद तत्कालीन शहर कोतवाली और रौता चौकी इंचार्ज को हटा दिया गया था। यह कार्रवाई डीआईजी द्वारा कराई गई जांच के बाद की गई थी।

सम्राट अशोक का भारतीय इतिहास, संस्कृति में अतुलनीय योगदान– महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–जयन्ती पर समाजवादियों ने सम्राट अशोक को किया नमन्, योगदान पर चर्चा

बस्ती । गुरूवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सपा जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में सम्राट अशोक को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। विधायक महेन्द्रनाथ ने कहा कि सम्राट अशोक का भारतीय इतिहास और संस्कृति में अतुलनीय योगदान है। उन्होंने कलिंग युद्ध के बाद युद्ध त्याग कर 'धम्म' (नैतिकता) की नीति अपनाई, बौद्ध धर्म का विश्वभर में प्रसार किया, और अहिंसा, जनकल्याण (अस्पताल, सड़कें, कुएं) तथा धार्मिक सहिष्णुता पर जोर दिया। उनके द्वारा निर्मित शिलालेख, स्तूप (सांची), और अशोक स्तंभ (राष्ट्रीय प्रतीक) आज भी भारतीय विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं। कहा कि हमें अपने महापुरूषों से प्रेरणा लेनी चाहिये।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, संजय गौतम, मो. सलीम , आर. डी. निषाद, जावेद पिण्डारी, अरविन्द सोनकर, जमील अहमद आदि ने कहा कि सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल में एक विशाल साम्राज्य को एकता के सूत्र में बांधकर न केवल राजनैतिक, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक रूप से भी भारत को समृध्द किया। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को राजकीय संरक्षण देकर उसे एक विश्व धर्म बनाया। उन्होंने अपने पुत्र महेंद्र और पुत्री संघमित्रा को बौद्ध धर्म के प्रसार के लिए श्रीलंका भेजा और वहां बोधि वृक्ष का पौधा लगवाया। उन्होंने चिकित्सालय, सराय, सड़कों का निर्माण, और वृक्षारोपण जैसे कार्य करवाए। जानवरों के लिए भी अस्पतालों का निर्माण करवाया। महापुरूष हमें निरन्तर आगे बढने की प्रेरणा देते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से रन बहादुर यादव, राजेन्द्र चौधरी, डा. आर.डी. गोस्वामी, अरविन्द यादव, राम प्रकाश सुमन, नित्याराम चौधरी, घनश्याम यादव, अनिल निषाद, विजय विक्रम आर्य, हनुमान प्रसाद चौधरी, मधुबन यदव, कुलदीप मौर्य, अकबर अली, मुरलीधर पाण्डेय, विश्वम्भर चौधरी, भोला पाण्डेय, मो. युनूस आलम, गौरीशंकर यादव, सुशील यादव, मो. अहमद सज्जू आदि ने सम्राट अशोक के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन् किया।

सुमन किन्नर ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार: दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गौर थाना क्षेत्र के आमा टिनिच निवासी सुमन किन्नर (शिष्य स्व. शांति किन्नर) ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर मुकदमे की पैरवी के दौरान हुये जानलेवा हमला और गले से सोने की चेन लूट लिये जाने का आरोप लगाते हुये दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई और अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में सुमन किन्नर ने कहा है कि वह गत 16 मार्च को अपने मुकदमें सरकार बनाम चन्द्र प्रकाश उर्फ कल्लू की पैरवी करने हेतु सी०जे०एम० न्यायालय में गयी थी जहाँ मुकदमें का अभियक्त चन्द्र प्रकाश उर्फ कल्लू की पत्नी

पूजा उर्फ उर्मिला निवासी कोठवा भरतपुर थाना नगर ने उसको देखते ही गाली देने लगी कि वह अपने पति अमित से सुलह कर रही है। सुलह मैं करने नहीं दूँगी। जब सुमन किन्नर ने उससे पूछा कि तुम मेरे और अमित का सुलह क्यों नही होने दोगी तो उसने कहा कि अमित से मेरा सम्बन्ध है। मैं उसकी रखैल हूँ। तुम उसके जीवन में आओगी तो तुम्हें जान से मार देंगे। कोर्ट में उपस्थित लोगों ने उसे बचाया। उसके सोने का चेन (सीकड़), लाकेट सहित पूजा ने खींच कर गले से चुरा लिया। पूजा चेन लेकर कोर्ट से भाग कर अपने वकील के तख्ते पर चली गयी तभी उसने 112 नम्बर पर फोन किया, परन्तु पुलिस नहीं आयी। उसने एसपी से मांग किया है कि पूजा उर्फ उर्मिला पत्नी चन्द्र प्रकाश उर्फ कल्लू के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर उसके सोने की चेन, लाकेट सहित दिलवाया जाय।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 मार्च 2026 शुक्रवार

सम्पादकीय

रेल के नये नियम और यात्री

कुछ माह पहले जब लंबी दूरी की रेलगाड़ियों का किराया बढ़ाया गया था, तब यह उम्मीद थी कि यात्रियों की सुविधाओं और उनकी दिक्कतों पर भी ध्यान दिया जाएगा, लेकिन ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला। अब सरकार के एक नए फैसले ने यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। नए नियमों के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति रेलगाड़ी के रवाना होने के निर्धारित समय से आठ घंटे पहले अपना टिकट रद्द कराता है, तो उसे कोई पैसा वापस नहीं मिलेगा। जबकि पहले यह समय सीमा चार घंटे की थी।

कई बार ऐसा होता है कि लोगों को निजी कारणों से अंतिम समय में यात्रा रद्द करनी पड़ती है, मगर अब ऐसा करना जेब पर भारी पड़ेगा। हालांकि, सरकार का दावा है कि इससे प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को सीट पाने के ज्यादा अवसर मिलेंगे और इससे टिकटों की कालाबाजारी पर भी रोक लगेगी। मगर सवाल है कि टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए क्या कोई दूसरा रास्ता नहीं निकाला जा सकता था, जिससे आम यात्रियों को आपात स्थिति में टिकट रद्द कराने पर वित्तीय नुकसान न झेलना पड़े?

यह निराशाजनक ही है कि रेलगाड़ियों के संचालन से लेकर सुविधाओं में व्यवस्थागत खामियों को दूर करने के बजाय यात्रियों के हितों को हाशिये पर रखा जा रहा है। इसमें दोराय नहीं कि लंबी दूरी की यात्रा के लिए रेलगाड़ियां आम आदमी की जीवन रेखा मानी जाती हैं। मगर इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि रेलवे के आधुनिकीकरण की कवायद के बीच यात्रियों की बुनियादी सुविधाओं में सुधार करने को आज भी प्राथमिकता नहीं दी जाती है।

रेलगाड़ियों में किफायती और सुरक्षित खान–पान के अभाव से लेकर साफ–सफाई की शिकायतें कम नहीं हो रही हैं। इन समस्याओं का समाधान करने के बजाय ऐसे नियम लागू किए जा रहे हैं, जिससे यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है। राजस्व बढ़ाने की रेलवे की चिंता वाजिब हो सकती है, लेकिन उसे इस बात पर भी गंभीरता से विचार करना होगा कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है।

युद्ध में टूटता अमेरिकी दंभ

ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एपिक फ्यूरी लॉन्च करने के बाद से अभी तक अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप दर्जनों बार दोहरा चुके हैं कि यह जंग उन्होंने करीब जीत ही ली है और तेहरान बातचीत के लिए गिड़गिड़ा रहा है। हालांकि दो हफ्ते से ज्यादा वक्त बाद भी जो जमीनी हकीकत है, वह बताती है कि ईरान की क्षमताओं को आंकने में अमेरिका–इस्राइल से चूक हो गई। यह बात ट्रंप की उन अपीलों से भी जाहिर हो रही है, जो उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर की हैं। दबाव की रणनीति। ट्रंप चाहते हैं कि नैटो और दूसरे देश भी होर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने के लिए आगे आएं। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और फ्रांस का नाम लिया है। हालांकि किसी भी देश ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। ऑस्ट्रेलिया ने तो साफ तौर पर इनकार कर दिया है, जबकि जापान ने कानूनों का हवाला दिया है। इस बेरुखी पर ट्रंप ने नैटो को ध्‍ामकी दी है, तो पेइचिंग को याद दिलाया है कि होर्मुज स्ट्रेट से होकर उसका श्90: तेलश जाता है, और उनकी चीन यात्रा टल भी सकती है। दुनिया दबाव की यह रणनीति टैरिफ वॉर में भी देख चुकी है। दूसरों को इस लड़ाई में खींचने की बेताबी बताती है कि ट्रंप फंसा महसूस कर रहे हैं।

अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा युद्ध तब शुरू किया, जब समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी और माना जा रहा था कि इस बार कोई रास्ता निकल सकता है। इस एकतरफा फैसले का ही असर था कि ब्रिटेन ने शुरू में अपने सैन्य अड्डे इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी थी, जिसे लेकर ट्रंप आज तक नाराज बताए जाते हैं।

अमेरिका–इस्राइल केवल ईरान की ताकत को ही भांपने में गलत साबित नहीं हुए, बल्कि यह समझने में भी चूक कर गए कि संघर्ष कितना व्यापक हो सकता है। अब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। धरती का सबसे व्यस्त तेल मार्ग बंद है। बढ़ती अनिश्चितता ने क्रूड ऑयल के दाम को 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंचा दिया है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था दबाव का सामना कर रही है।

हालात पर साफगोई की उम्मीद ट्रंप से अब भी नहीं की जा सकती है। वह तो अपने दावे पर कायम हैं कि ईरान समझौता करना चाहता है, जबकि तेहरान बार–बार कह रहा है कि अमेरिका को उसकी आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा। अमेरिकी मीडिया और वहां के कई राजनेता मान रहे हैं कि वॉशिंगटन से बड़ी चूक हो गई। ईरान युद्ध पश्चिम एशिया को लेकर अमेरिका के गलत आंकलनों और पूर्वाग्रहों का एक और उदाहरण है।

मर्यादा, सुशासन और शांति के विश्वनायक श्रीराम

—ललित गर्ग—

रामनवमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का पुण्य और पवित्र अवसर है। आज जब दुनिया युद्ध, हिंसा, आतंक, असहिष्णुता, पारिवारिक विघटन, राजनीतिक अविश्वास और नैतिक पतन जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रही है, तब मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन–दर्शन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव समाज और विश्व–राजनीति के लिये मार्गदर्शन का स्रोत बन सकता है। श्रीराम का जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं है, बल्कि वह शासन, समाज, परिवार, युद्ध, कूटनीति, न्याय और मानव संबंधों का एक संपूर्ण दर्शन है, जिसे आधुनिक संदर्भों में पुनर्पाठ की आवश्यकता है। श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन विलक्षणताओं एवं विशेषताओं से ओतप्रोत है, प्रेरणादायी है। उन्हें अपने जीवन की खुशियों से बढकर लोक जीवन की चिंता थी, तभी उन्होंने अनेक तरह के त्याग के उदाहरण प्रस्तुत किये। राजा के इन्हीं आदर्शों के कारण ही भारत में रामराज्य की आज तक कल्पना की जाती रही है। श्रीराम के बिना भारतीय समाज की कल्पना संभव नहीं है। अब श्रीराम मन्दिर के रूप में एक शक्ति एवं सिद्धि स्थल बन गया है, जो रामराज्य के सुदीर्घ काल के सपने को आकार देने का सशक्त एवं सकारात्मक वातावरण भी बनेगा। श्रीराम मंदिर जीवनमूल्यों की महक एवं प्रयोगशाला के रूप में उभरेगा। क्योंकि श्रीराम का चरित्र ही ऐसा है जिससे न केवल भारत बल्कि दुनिया में शांति, अहिंसा, अयुद्ध, साम्प्रदायिक सौहार्द एवं अमन का साम्राज्य स्थापित होगा। ईरान–इजरायल एवं यूक्रे–रूस के बीच चल रहा युद्ध एवं इस परिप्रेक्ष्य में विश्वयुद्ध की संभावनाओं को देखते हुए श्रीराम के जीवन आदर्शों को विश्व व्यापी बनाने की अपेक्षा है, ताकि दुनिया शांति एवं चौन से जी सके।

श्रीराम का जीवन हमें सबसे पहले मर्यादा का संदेश देता है। आध्‍ाुनिक विश्व की सबसे बड़ी समस्या मर्यादा का संकट है—राजनीति में मर्यादा नहीं, समाज में मर्यादा नहीं, परिवार में मर्यादा नहीं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी मर्यादा नहीं। श्रीराम का जीवन बताता है कि शक्ति से अधिक महत्वपूर्ण मर्यादा होती है। उन्होंने सामर्थ्य होते हुए भी राज्य के लिये संघर्ष नहीं किया, बल्कि पिता की आज्ञा और समाज की मर्यादा को सर्वोच्च माना। आज यदि विश्व राजनीति में मर्यादा और नैतिकता का समावेश हो जाये, तो अनेक युद्ध स्वतः समाप्त हो सकते हैं। राष्ट्र यदि केवल शक्ति और विस्तारवाद की नीति छोड़कर मर्यादा और न्याय की नीति अपनाएं, तो विश्व शांति संभव हो सकती है। आज दुनिया के अनेक युद्ध चाहे वह रूस–यूक्रेन युद्ध हो, मध्य–पूर्व के संघर्ष हों या अन्य क्षेत्रीय युद्ध—इन सबके मूल में अहंकार, विस्तारवाद, संसाधनों पर अधिकार और वैचारिक वर्चस्व की लड़ाई है। श्रीराम का युद्ध दर्शन इससे बिल्कुल भिन्न था। उन्होंने कभी युद्ध को लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि युद्ध उनके लिये अंतिम विकल्प था। उन्होंने पहले संवाद किया, फिर दूत भेजा, फिर समझौते का प्रयास किया और अंत में जब सभी रास्ते बंद हो गये तब युद्ध किया। यह युद्ध नीति आज के अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिये एक आदर्श मॉडल हो सकती है—पहले संवाद, फिर कूटनीति, फिर प्रतिबंध और अंत में युद्ध। आधुनिक विश्व यदि इस क्रम को स्वीकार कर ले, तो युद्धों की संख्या कम हो सकती है।

श्रीराम का जीवन सुशासन का भी आदर्श प्रस्तुत करता है, जिसे आज ”रामराज्य“ के रूप में जाना जाता है। रामराज्य का अर्थ केवल धार्मिक राज्य नहीं, बल्कि न्याय, समानता, सुरक्षा, समृद्धि और नैतिक शासन व्यवस्था है। रामराज्य में राजा और प्रजा के बीच दूरी नहीं थी, शासन उत्तरदायी था, न्याय त्वरित था, समाज में भय नहीं था और आर्थिक असमानता अत्यधिक नहीं थी। आज लोकतंत्र होने के बावजूद जनता और शासन के बीच दूरी बढ़ती जा रही है, राजनीति सेवा से अधिक सत्ता का माध्यम बनती जा रही है। श्रीराम का शासन हमें बताता है कि शासन का उद्देश्य सत्ता नहीं, सेवा होना चाहिए। आधुनिक लोकतंत्र यदि रामराज्य की अवधारणा से प्रेरणा ले, तो लोकतंत्र अधिक मानवीय और उत्तरदायी बन सकता है। श्रीराम का जीवन पारिवारिक मूल्यों का भी अद्भुत उदाहरण है। आज दुनिया में परिवार टूट रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद समाप्त हो रहा है, रिश्ते स्वार्थ पर आधारित होते जा रहे हैं। श्रीराम ने पुत्र के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, भाई के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया, पति के रूप में आदर्श प्रस्तुत किया और मित्र के रूप में भी आदर्श प्रस्तुत किया। भरत और राम का संबंध त्याग और प्रेम का सर्वोच्च उदाहरण है। आज यदि परिवारों में अधिकार की जगह कर्तव्य और स्वार्थ की जगह त्याग की भावना आ जाये, तो समाज की आधी समस्याएं समाप्त हो सकती हैं।

श्रीराम ने मर्यादा के पालन के लिए राज्य, मित्र, माता–पिता, यहां तक कि पत्नी का भी साथ छोड़ा। इनका परिवार, आदर्श भारतीय परिवार का प्रतिनिधित्व करता है। श्रीराम रघुकुल में जन्मे थे, जिसकी परम्परा प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई की थी। श्रीराम हमारी अनंत मर्यादाओं के प्रतीक पुरुष हैं इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से पुकारा जाता है। हमारी संस्कृति में ऐसा कोई दूसरा चरित्र नहीं है जो श्रीराम के समान मर्यादित, धीर–वीर, न्यायप्रिय और प्रशांत हो। वाल्मीकि के श्रीराम लौकिक जीवन की मर्यादाओं का निर्वाह करने वाले वीर पुरुष हैं। उन्होंने लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध किया और लोक धर्म की पुनःस्थापना की। लेकिन वे नील गगन में दैदीप्यमान सूर्य के समान दाहक शक्ति से संपन्न, महासमुद्र की तरह गंभीर तथा पृथ्वी की तरह क्षमाशील भी हैं। वे दुराचारियों, यज्ञ विध्वंसक राक्षसों, अत्याचारियों का नाश कर लौकिक मर्यादाओं की स्थापना करके आदर्श समाज की संरचना के लिए ही जन्म लेते हैं। आज ऐसे ही स्वस्थ समाज निर्माण की जरूरत है। सामाजिक दृष्टि से भी श्रीराम का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने समाज के सबसे निम्न माने जाने वाले लोगों को भी सम्मान दिया। केवट, शबरी, जटायु, सुग्रीव, हनुमान–ये सभी समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि थे। श्रीराम ने सभी को साथ लेकर संघर्ष किया और विजय प्राप्त की। यह सामाजिक समरसता का अद्भुत उदाहरण है। आधुनिक राष्ट्र निर्माण में भी यही सिद्धांत लागू होता है कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर ही राष्ट्र शक्तिशाली बन सकता है। केवल आर्थिक विकास से राष्ट्र महान नहीं बनता, सामाजिक समरसता और नैतिक एकता से राष्ट्र महान बनता है।

श्रीराम हमारे कण–कण में समाये हैं, हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग हैं। श्रीराम का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि एक आदर्श राष्ट्र केवल सेना और अर्थव्यवस्था से नहीं बनता, बल्कि चरित्र से बनता है। यदि नागरिक चरित्रवान होंगे, तो राष्ट्र स्वतः शक्तिशाली होगा। आज राष्ट्र शक्ति का अर्थ केवल सैन्य शक्ति और आर्थिक शक्ति माना जाता है, जबकि श्रीराम का जीवन बताता है कि नैतिक शक्ति सबसे बड़ी शक्ति होती है। रावण के पास अधिक सेना, अधिक धन, अधिक विद्या और अधिक शक्ति थी, फिर भी उसकी हार हुई क्योंकि उसके पास नैतिक शक्ति नहीं थी। यह आज के विश्व के लिये बहुत बड़ा संदेश है। आज जब दुनिया अस्तित्व के संकट, पर्यावरण संकट, युद्ध संकट और नैतिक संकट से जूझ रही है, तब श्रीराम का जीवन मानवता को संतुलन का संदेश देता है—शक्ति और शांति का संतुलन, अधिकार और कर्तव्य का संतुलन, भोग और त्याग का संतुलन, राज्य और समाज का संतुलन, परिवार और व्यक्तिगत जीवन का संतुलन। यही संतुलन ही मानव सभ्यता को बचा सकता है।

रामनवमी का पर्व हमें केवल पूजा करने का संदेश नहीं देता, बल्कि श्रीराम के जीवन को अपने जीवन, समाज और राष्ट्र की नीति में उतारने का संदेश देता है। यदि विश्व राजनीति श्रीराम की युद्ध नीति से प्रेरणा ले, यदि लोकतंत्र श्रीराम के सुशासन से प्रेरणा ले, यदि परिवार श्रीराम के पारिवारिक मूल्यों से प्रेरणा ले और यदि समाज श्रीराम की समरसता की भावना से प्रेरणा ले, तो एक आदर्श समाज और आदर्श राष्ट्र की कल्पना साकार हो सकती है। आज आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम केवल मंदिर बनाएं, बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने भीतर राम का निर्माण करें। जब व्यक्ति के भीतर राम का जन्म होगा, तभी समाज में रामराज्य आएगा। राम केवल इतिहास नहीं हैं, राम केवल आस्था नहीं हैं, राम मानव सभ्यता के नैतिक भविष्य का नाम हैं। यही रामनवमी का वास्तविक संदेश है।

वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका

—एसएस मेहता—

मौजूदा खंडित वैश्विक व्यवस्था में भारत को अपनी जगह खोजने की जरूरत नहीं है, उसका खुद ही एक खास स्थान है। दरअसल, किसी एक पक्ष में होने की प्रवृत्ति से अधिक लाभकारी है,बतौर पुल कार्य करने की क्षमता। विशाल आकार इस देश को महाद्वीपीय आधार मजबूत करने के साथ–साथ समुद्र में स्थिरता बनाए रखने में सक्षम बनाता है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्थाएं शायद ही कभी एक ही पल में ढहती हैंय वे ध्‍ाीरे–धीरे कमजोर होती हैं। वर्ष 1945 के बाद जो ढांचा बनाया गया था, उसकी रूपरेखा में विनाशकारी अस्थिरता को रोकने के लिए शक्ति का निर्वाह नियमबद्ध ढंग से और प्रगति को अनुमानित प्रारूप से उकेरा गया था। दशकों तक, यह रूपरेखा कायम रही। तथापि, अपने शैशवकाल में भी, इस व्यवस्था में प्रतिस्पर्धी महत्वाकांक्षाओं की छाप साथ चलती रही। जिन देशों को इस व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, वे अक्सर समानांतर रणनीतिक एजेंडे अपनाते थे, जिन नियमों को खुद लिखा था उनकी परीक्षा लेते रहे। तत्पश्चात नियमों का चयनात्मक पालन सामान्य बन गया।

शीत युद्ध ने प्रतिद्वंद्विता के माध्‍यम से अनुशासन थोपे रखाय दुनिया बंटी हुई थी, लेकिन गुटों की अनुमानित स्थिति के कारण स्थिरता बनी रही। सोवियत संघ के पतन के बाद कुछ समय के लिए एक ‘एक–ध्‍रुवीय’ दौर आया, जिसमें वैश्वीकरण की गति तेज हुई और आपूर्ति शृंखलाएं महाद्वीपों तक फैलीं।

रणनीतिक तनाव के कारण रू इस विस्तार के भीतर ही तनाव के बीज छिपे थे। परस्पर निर्भरता बढ़ी, लेकिन साथ ही विषमता भी। दक्षता की ललक, सहनशीलता से कहीं ज्यादा तेज रफ्तार से बढ़ी। जिन नेटवर्कों ने समृद्धि लाने में मदद की, उन्होंने ही जोखिम भी पैदा कर दिया, जिसमें अपना फायदा जबरन या महत्त्वपूर्ण वस्तुओं को रोककर उठाया जा सकता था। आर्थिक एकीकरण, जिसे कभी एक स्व–स्थिरकारी माना जाता था, अब तेजी से प्रतिस्पर्धा के रूप में सामने आने लगा।

आज ढांचा खड़ा तो है, लेकिन इसका अधिकार क्षेत्र सीमित हो गया। नियम का जिक्र तो किया जाता है, लेकिन लागू चुनिंदा ढंग से ही होते हैं। हम जो देख रहे हैं, वह कोई अचानक आया पतन नहीं बल्कि जो अनुशासन कभी व्यवस्था के दौरान कायम रहा, उसके प्रति सहमति को धीरे–धीरे कम किया जा रहा है। जैसे–जैसे पुरानी सहमति के स्तंभ कमजोर हो रहे हैं, दुनिया नए ‘गुरुत्व केंद्र’ की तलाश में है।

वह गुरुत्व केंद्र कौन प्रदान कर सकता है, यह मामूली सवाल नहीं। बदलती व्यवस्था का बहाव थामने में हरेक शक्ति एक समान समर्थ नहीं। इसके लिए भूगोल, इतिहास, सभ्यतागत स्मृति और संयम रखने के पिछले रिकार्ड को एक साथ मिलाने जरूरत है। इसे एक ऐसी रणनीतिक संस्कृति की भी जरूरत है, जिसकी नीयत किसी और पर अपना वर्चस्व स्थापित करना न होय संवैधानिक त्वरित सोच की जरूरत है, जो एकरूपता थोपने के बजाय विविधता साथ लेकर चले। इसे एक ऐसे बहुलवादी लोकाचार पर आधारित होना चाहिए, जो मुक्त दुनिया के साथ जुड़ाव तो रखे, लेकिन खुद उसमें न डूबे। इन गुणों बगैर भटकाव स्वतरू ठीक नहीं होता बल्कि और गहरा होता जाता है और अक्सर उनको फायदा देने लगता है, जिन्होंने नियम तो गढ़े, लेकिन उन पर अमल न करने के बहाने ढूंढ़ते हैं।

सभ्यता, पैमाना और दायित्व रू भारत की सभ्यतागत स्मृति, उसकी भौगोलिक केंद्रीयता के साथ मिलकर, एक विशिष्ट रणनीतिक स्थिति का निर्माण करती है। यह अपने आप में एक महाद्वीप है, उत्तर में हिमालय का प्रश्रय है—ऐसा क्षेत्र जिसने लंबे समय ढाल और मार्ग की भूमिका निभाई। हिमालयी पर्वत शृंखला ने न केवल रक्षा की, बल्कि सदियों व्यापार का मार्ग बना रहा और आक्रमणों को भी सीमित कियाय इस प्रक्रिया ने ऐसी सभ्यता को आकार दिया जो अपनी मूल पहचान खोए बिना बाहरी प्रभाव आत्मसात कर लेती है।

इसका प्रायद्वीपीय विस्तार साझे समुद्री क्षेत्रों तक फैला हुआ है, जो वैश्विक व्यापार की मुख्य धमनियों में इसकी अहम उपस्थिति यकीनी बनाता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से लेकर मलक्का जलडमरूमध्य और बाब अल–मंडेब तक, वाणिज्य के प्रमुख समुद्री गलियारे भारत से सटकर निकलते हैं। ये सभी विशिष्टताएं भारत को अव्यवस्था का सामना करने की क्षमता के साथ स्थिर और संतुलित करने का सामर्थ्य प्रदान करती हैं।

संतुलन बतौर सक्रिय रणनीति रू विखंडित होती दुनिया में, संतुलन अब अपरोक्ष परिणाम नहीं रहा, एक सक्रिय रणनीति है। भारत का दृष्टिकोण, अपनी हस्ती कायम रखते हुए, वृहद जुड़ाव बनाना है, और अलग–थलग पड़े बिना स्वायत्तता बनाए रखनी है। ऐसे रुख को अक्सर रणनीतिक स्वायत्तता कहते हैं, लेकिन इसका सार वाजिब संतुलन में है।

पाकिस्तान की मध्यस्थता के निहितार्थ

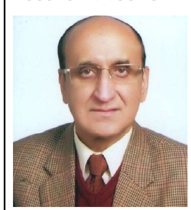

के.एस. तोमर

पाक ट्रंप और ईरान के बीच मध्‍यस्थ के रूप में कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अध्‍िाकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है।

पाकिस्तान आज एक रणनीतिक विरोधाभास में फंसा हुआ हैकृएक ओर वह अपनी पश्चिमी सीमा पर तालिबान के साथ बढ़ते संघर्ष में उलझा है, वहीं दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में खुद को प्रस्तुत कर कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अधिकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, पाकिस्तान अपने हालिया इतिहास के एक अत्यंत जटिल रणनीतिक दौर से गुजर रहा है। उसके पश्चिमी पड़ोस में तेजी से बदलते घटनाक्रमकृईरान में अस्थिरता और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ बिगड़ते रिश्तेकृने एक ऐसा भू–राजनीतिक दबाव पैदा कर दिया है, जिसे इस्लामाबाद न तो नजरअंदाज कर सकता है और न ही आसानी से संभाल सकता है। दशकों तक ‘रणनीतिक गहराई’ का जो ढांचा पाकिस्तान ने तैयार किया था, वह अब टूटता हुआ दिख रहा है। उसकी जगह अब अनिश्चितता, आतंकी प्रतिक्रिया और सीमावर्ती जोखिमों ने ले ली है।

पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा कभी शांत नहीं रही। ईरान से जुड़ी अस्थिरता इस्लामाबाद के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। ईरान केवल पड़ोसी ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार भी है। दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के कठिन इलाकों से गुजरती है, जहां अलगाववादी समूह और तस्करी नेटवर्क सक्रिय रहे हैं। ईरान में किसी भी बड़े संकट से सीमा पार आतंकी गतिविधियां बढ़ सकती हैं और पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान में हालात बिगड़ सकते हैं। पाकिस्तान की पुरानी ऊर्जा कमी ने ईरानी गैस को एक विकल्प बनाया है। हालांकि, प्रतिबंधों के कारण रुकी हुई ईरानदृपाकिस्तान गैस पाइपलाइन अब भी एक संभावित समाधान मानी जाती है। लेकिन ईरान में अस्थिरता इस संभावना को और कमजोर कर सकती है और पाकिस्तान की आर्थिक चुनौतियों को और जटिल बना सकती है।

इस समय पाकिस्तान में बड़ी शिया आबादी है और अतीत में सांप्रदायिक तनाव हिंसा में बदलता रहा है। ईरान से जुड़ा कोई भी लंबा संकट इन आंतरिक विभाजनों को भड़का सकता है और सामाजिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान के साथ संबंध इस उम्मीद में बनाए रखे कि काबुल में एक अनुकूल सरकार उसे रणनीतिक लाभ देगी। लेकिन 2021 में तालिबान की वापसी ने अपेक्षित परिणाम नहीं दिए। इसके विपरीत, संबंध लगातार बिगड़ते गए हैं। मुख्य विवाद तहरीक– ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की मौजूदगी है, जो पाकिस्तान में कई हमलों के लिए जिम्मेदार है। इस्लामाबाद का आरोप है कि अफगान तालिबान उसे संरक्षण देता है। सीमा पार हमले और तीखी बयानबाजी ने स्थिति को खतरनाक बना दिया है। जो संबंध कभी वैचारिक निकटता का प्रतीक था, वह अब अविश्वास और सीमित सैन्य टकराव में बदल चुका है। डूरंड रेखा का विवाद भी इस तनाव को और गहरा करता है। तालिबान इसे मान्यता देने से इंकार करता है, जबकि पाकिस्तान इसे अपनी संप्रभुता का मुद्दा मानता है। इन दबावों के बीच कुछ सीमित अवसर भी दिखाई देते हैं। यदि ईरान बाहरी संकटों में उलझता है तो बलूच सीमा पर उसका ध्यान कम हो सकता है। अफगानिस्तान की आर्थिक कमजोरी तालिबान को पाकिस्तान के साथ व्यावहारिक समझौते की ओर धकेल सकती है। पाकिस्तान क्षेत्रीय मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, जिससे उसकी प्रासंगिकता कुछ हद तक बढ़े। लेकिन यह रणनीति जोखिमों से भरी है और इसके परिणाम पूरी तरह अनिश्चित हैं।

भारत के लिए यह स्थिति मिश्रित संकेत देती है। पाकिस्तान की पश्चिमी समस्याएं उसके संसाधनों पर दबाव डालती हैं, जिससे पूर्वी सीमा पर ध्यान कम हो सकता है। लेकिन यह अपने आप भारत के लिए लाभकारी नहीं है। इसलिए भारत इन घटनाक्रमों को सावधानी और संतुलन के साथ देख रहा है।

चीन इस परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा उसके निवेश ढांचे का अहम हिस्सा है। पश्चिमी सीमा पर अस्थिरता इन योजनाओं के लिए खतरा है। चीन को चिंता है कि अफगानिस्तान के उग्रवादी नेटवर्क शिनजियांग को प्रभावित कर सकते हैं।

कोल्हुई गैस एजेंसी की जांच में मिली अनियमितताएं, संचालक पर मुकदमा

संवाददाता–महराजगंज। एलपीजी गैस सिलेंडर को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच एजेंसियों पर लोग लाइन लगा ले रहे हैं। बुधवार को कोल्हुई की गैस एजेंसी पर सिलेंडर न मिलने से नाराज लोगों ने हाईवे को जाम कर दिया था। मामले की जानकारी मिलते ही एडीएम, एएसपी व डीएसओ ने वंशराजी इंडेन ग्रामीण वितरक की एजेंसी पर पहुंचकर करीब दो घंटे जांच की। गुरुवार को इस मामले में अनियमितता के आरोप में एजेंसी संचालक के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि अधिकारियों की जांच में एजेंसी में अनियमितताएं मिली थीं। इस मामले में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी विजय कुमार सहानी की तहरीर पर वंशराजी इंडेन ग्रामीण वितरक के संचालक मनीष गुप्ता के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। विभाग को शिकायत मिल रही थीं कि एजेंसी द्वारा उपभोक्ताओं को समय से गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है और वितरण में भी गड़बड़ी की जा रही है। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने एजेंसी की जांच की। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान रिकॉर्ड में 47 भरे व 104 खाली सिलेंडर कम पाए गए। वितरण प्रणाली में पारदर्शिता की कमी और उपभोक्ताओं के साथ लापरवाही जैसी कई अनियमितताएं सामने आईं। इसके बाद क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी ने थाने में तहरीर देकर एजेंसी संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की अनियमितता किसी पेट्रोल पंप या गैस एजेंसी पर पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

सेवानिवृत्त सैनिकों की समस्याओं का करें त्वरित समाधान –डीएम

संवाददाता–महराजगंज। डीएम संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में जिला सैनिक एवं पुनर्वास कल्याण समिति की बैठक कलक्ट्रेट सभागार में की गयी। डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर करें।उन्होंने जिले के सभी भूतपूर्व सैनिकों एवं उपस्थित सेवानिवृत्त सैनिकों के सुख समृद्धि की कामना की। कहा कि सैनिक एवं आश्रितों की समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक में भूतपूर्व सैनिक शकील अहमद, चन्द्रमोहन, पार्वती देवी, रामसनेही गौतम आदि ने भूमि विवाद, सार्वजनिक तौर पर नाली निर्माण एवं भूमि अवैध अतिक्रमण के मामलों को रखा। डीएम ने सभी सेवानिवृत्त सैनिकों को आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराने के लिए आदेश दे दिए गए हैं।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सैनिकों की समस्याओं के निदान के लिए जिला प्रशासन का पूर्ण सहयोग प्राप्त होता है। बैठक में जिला सैनिक कल्याण व पुनर्वास अधिकारी कर्नल (रि.) धीरेंद्र राय, भूतपूर्व सैनिक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मंदिर से लौट रही महिला को अज्ञात वाहन ने मारी ठोकर, मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र के मझौलीराज में गुरुवार को सुबह मंदिर से पूजा–अर्चना कर घर लौट रही एक महिला को पीछे से अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दिया। जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। आसपास के लोगों ने उन्हें सीएचसी सलेमपुर भेजवाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर रहीं हैं।मझौलीराज वार्ड नंबर तीन निवासी सावित्री देवी (55) पत्नी सदानंद गुप्ता सुबह करीब साढ़े छह बजे भागड़ा भवानी मंदिर में पूजा करने गई थीं। पूजा के बाद वह घर लौट रही थीं।

इसी दौरान मंदिर से कुछ दूरी पर पीछे से आए एक अज्ञात वाहन ने पीछे से उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका के परिवार में तीन बेटियां और एक बेटा हैं। कोतवाली के प्रभारी दिनेश कुमार मिश्र ने बताया कि अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला की मौत हुई है। मामले की जांच की जा रही है।

पांचवीं बार सरकार बनाने जा रही है बसपा –खरवार

संवाददाता–महराजगंज। आगामी विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के नेतृत्व में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनेगी। प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों से लोग त्रस्त हैं। जबसे भाजपा की सरकार बनी है, तबसे आमजन तरह–तरह की जरूरतों को लेकर लाइन में लगा हुआ है। अब आम लोग इससे निजात पाना चाहते हैं। ये बातें बसपा के पूर्व लोक सभा एवं राज्य सभा सांसद, पार्टी के गोरखपुर, बस्ती, प्रयागराज और वाराणसी मण्डल के मुख्य प्रभारी घनश्याम चंद्र खरवार ने शहर के एक मैरेज हाल में आयोजित कार्यकर्ताओं की बैठक में कही।पूर्व सांसद ने खरवार ने कहा कि उन्हें बसपा के संस्थापक कांशीराम के साथ लोक सभा के दोनों सदनों का सदस्य होने का गौरव प्राप्त है। वे बहुजन समाज पार्टी बनाने के साथ–साथ बहुजन समाज भी बनाना चाहते थे। बहुजन समाज पार्टी तो बन गई। हमने उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार भी बनाई। अब पांचवीं बार पार्टी मुखिया मायावती को मुख्यमंत्री बनाकर बहुजन समाज बनाना है। बसपा नेता ने कहा कि देश एवं प्रदेश की वर्तमान हालात में लोग बसपा की तरफ आशाभरी निगाह से देख रहे हैं। अध्यक्षता सुरेश चंद्र भारती ने करते हुए कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि वे पांचवीं बार सरकार बनाने में जुट जाएं। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम दास ने किया। इस अवसर पर सुरेश कुमार गौतम, ऋषि कपूर, कमलेश गौतम, घनश्याम राही, असगर अली, राहुल कुमार, सूरज नायक, जिलाध्यक्ष देवेंद्र कुमार गौतम, अशोक प्रताप निषाद, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश कुमार गौतम, पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र राव, तबारक हुसैन, लालजी पांडेय, अनिल कुमार, नंदू प्रसाद, सदानंद भारती, संतोष भारती, प्रकाश राव, गुड्डू खान सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सपा कार्यालय में सम्राट अशोक जयंती मनाई गई

संवाददाता–देवरिया। बांस स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में महान सम्राट अशोक की जयंती मनाई गई। यह कार्यक्रम मा. मुलायम सिंह यादव सभागार में आयोजित किया गया। सपा जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जबकि जिला महासचिव मंजूर हसन ने इसका संचालन किया। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सम्राट अशोक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभी ने उनके जीवन और आदर्शों को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि सम्राट अशोक का जीवन शौर्य, पराक्रम और परिवर्तन का अद्भुत उदाहरण है। मौर्य वंश के शासकों में उनका स्थान अद्वितीय है। उन्होंने बताया कि कलिंग युद्ध के बाद सम्राट अशोक के जीवन में बड़ा बदलाव आया। उन्होंने हिंसा का त्याग कर अहिंसा का मार्ग अपनाया और बौद्ध धर्म के अनुयायी बन गए। इसके बाद उन्होंने अपना जीवन बौद्ध धर्म के प्रचार–प्रसार के लिए समर्पित कर दिया। व्यास यादव ने आगे कहा कि आज के समय में समाज को सम्राट अशोक के विचारों और आदर्शों की सबसे अधिक आवश्यकता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर एक मजबूत, शांतिपूर्ण और समरस समाज का निर्माण संभव है। इस अवसर पर हाफिज शहादत हुसैन, हृदयनारायण जायसवाल, राजवंशी राजभर, डॉ. रामनाथ चौहान, अवधेश चौधरी, प्रज्ञानन्द चौधरी, रामबली यादव, आफताब आलम, सुनील यादव, जयराम राजभर, रामबहादुर यादव, संतोष यादव, वंदना कुशवाहा, फकरुद्दीन खां, ओमप्रकाश यादव, नसीम लारी, सीमा मौर्य, अनिता भारती, रामप्रित यादव, पंकज वर्मा, रणवीर यादव, मनोज यादव, गिरीश जायसवाल, पवन यादव, बाबूराम गोंड, शहदेव प्रसाद, वीर बहादुर सिंह सैथवार, अमरेंद्र यादव, सूरज यादव, मनीष सिंह, अर्जुन यादव, दीना चौधरी, राकेश राय, शिराज अहमद, राजनाथ यादव, रमनारायण यादव, गजेंद्र भारती, विदेशी भारती सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सम्राट अशोक के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

दशरथ के राज्य में था प्रजातंत्र-स्वामी स्वरूपानन्द

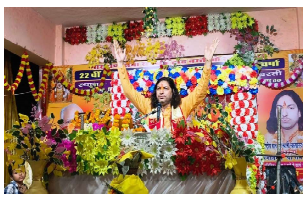

–9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राम चरित अनन्त है। श्रीराम के विवाह की कथा जो प्रेम से सुनेगा उसका सदा मंगल होगा। परमात्मा के मंगलमय नाम का जाप करो, चाहे ज्ञान मार्गी हो या भक्ति मार्गी, ईश्वर की साधना और ध्यान किये बिना काम नहीं बनता। मनुष्य को चाहिये कि वह अपना जीवन लक्ष्य निर्धारित कर ले। यह सद् विचार कथा व्यास स्वामी स्वरूपानन्द जी महाराज ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा का दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में सातवें वे दिन व्यक्त किया।

धनुष अहंकार का प्रतीक है जिसे राघव ने तोड़ दिया माता सीता ने रघुबर के गले में जय माला डाली धनुष भंग होते ही साधु राजा तो प्रसन्न हुए लेकिन दुष्ट राजा जो धनुष को हिला भी नहीं सके थे राम लक्ष्मण को ही बंदी बनाने की योजना बनाने लगे इतने में परशुराम जी का आगमन हुआ लक्ष्मण परशुराम संवाद का का जीवंत मार्मिक वर्णन करते हुए पूज्य स्वामी जी ने श्रीराम विवाह, और अयोध्या वापसी के अनेक प्रसंगो का विस्तार से वर्णन करते हुये कहा कि मिथिलानरेश के लिये सौभाग्य की बात है कि श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न का विवाह एक ही मण्डप में सम्पन्न हुआ। विदाई का क्षण आया, साक्षात महालक्ष्मी सीता जी जनकपुरी छोड़कर जा रही है, मेरे जाने के बाद इन लोगों का क्या होगा ऐसा सोच माता जी ने अपने आंचल में चावल भरकर चारो ओर बिखेर दिये। आज भी मिथिला में चावल बहुत पकता है।

अयोध्या की प्रजा सीताराम का दर्शन कर रही है, दशरथ जी ने कहा यह परायी पुत्री हमारे घर आयी है जिस प्रकार से हमारी आंखों की रक्षा पलक करती है उसी प्रकार सीता जी की रक्षा करना " वधू लरिकिनी पर घर आई। राखेहु नयन पलक की नाई।।

महात्मा जी ने कहा कि दशरथ का राज्य प्रजातंत्र है। उनके मन में यह भाव आया कि अब श्रीराम का राज्याभिषेक कर दिया जाना चाहिये। नारायण को तो अभी नर लीला करनी है। वैसे भी किसी का सम्पूर्ण सुख तो काल से भी नहीं देखा जाता। राजा दशरथ के सुख को काल की अशुभ नजर लग गयी। काल ने विघ्नेश्वरी में प्रवेश किया, विघ्नेश्वरी ने मन्थरा में प्रवेश किया। महात्मा जी ने कहा कि परमार्थ में यदि कोई भूल हो जाय तो भगवान शायद क्षमा कर देते हैं किन्तु व्यवहार की छोटी सी भूल भी लोग क्षमा नहीं करते। व्यवहार बड़ा कठोर है। इससे सावधान रहना चाहिये। श्रीराम कथा के सातवें दिन कथा व्यास का विधि विधान से मुख्य यजमान संजीव सिंह, ने कथा व्यास का पूजन किया। आयोजक बाबूराम सिंह, अनिल सिंह योगेंद्र सिंह प्रमुख हरैया राम प्रकाश सिंह उर्फ नन्हे सिंह अशोक सिंह अजय मिश्रा राजेश सिंह, सभाजीत चौधरी हरिलाल गुप्ता सत्यनारायण द्विवेदी सुनील सिंह सूर्यवंशी अजय सिंह अरुण सिंह अनूप सिंह जसवंत हर्षित लक्ष्य राजनारायण पांडे राधेश्याम,रामू जगदम्बा गुप्ता श्यामलाल गुप्ता, ,अनूप सिंह, प्रमोद पाण्डेय, हर्षित सिंह, आदित्य सिंह, अरूण सिंह, अमरपाल सिंह, , नीरज गुप्ता, विभा सिंह इन्द्रपरी सिंह, मुस्कान शीला सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल होकर रामकथा का श्रवण किया ।

कार्यालय नगर पंचायत, नगर बाजार, बस्ती।

ई–निविदा सूचना

एतद्द्वारा समस्त ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि नगर पंचायत नगर बाजार, बस्ती में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य कराया जाना है, जिसके लिए आनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य से सम्बन्धित निविदा प्रपत्र बेवसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा। बेवसाइट पर उपलब्ध निविदा नोटिस में धरोहर धनराशि, निविदा डालने की तिथि, समय, कार्य करने की अवधि एवं निविदा लागत तथा निविदा के विस्तृत नियम एवं शर्तों का उल्लेख है।

ई–निविदा (टेक्निकल एवं फाइनेन्शियल) निम्नलिखित विवरण के अनुसार वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर आनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी कार्यालय नगर पंचायत नगर बाजार बस्ती से कार्यालय समय एवं कार्य दिवस पर की जा सकती है।

क्रमाक	वेबसाइट पर ई–निविदा प्रकाशन की तिथि व समय	तिथि	समय
1	ई–निविदा डाउनलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	27.03.2026	13:00 बजे
2	ई–निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	27.03.2026	13:00 बजे
3	ई–निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	16.04.2026	13:00 बजे
4	ई–निविदा खोलने की तिथि/समय	18.04.2026	14:00 बजे

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत नगर बाजार,
जनपद–बस्ती।

नीलम सिंह
अध्यक्ष
नगर पंचायत नगर बाजार,
जनपद–बस्ती।

पत्रांकः 1088(3) न0प0न0बा0/2025–26 दिनाक 25–03–2026

चरमराया एलपीजी डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम, सड़क जामय एजेंसी पर गैस की गाड़ी के आगे लेटे लोग

संवाददाता–कुशीनगर। कसया में एलपीजी गैस सिलेंडर की व्यवस्था पूरी तरह चरमराई गई है। गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही। गुरुवार की सुबह वितरण व्यवस्था में धांधली का आरोप लगाते हुए उपभोक्ताओं ने आधे घंटे तक बाईपास मार्ग जाम कर अपना विरोध जताया। गैस की गाड़ी आई तो लोग उसके आगे लेट गए। पुलिस आने पर लोग हटे और वितरण शुरू हो सका। नगर में संचालित कांति गैस एजेंसी पर 22 हजार उपभोक्ता पंजीकृत हैं। शासन और गैस एजेंसी का दावा है कि गैस की कोई किल्लत नहीं है। बुकिंग के आधार पर बुकिंग किया जा रहा है लेकिन दावे हकीकत से कोसों दूर हैं। बुकिंग के 10 दिन बाद भी सिलेंडर लेने के लिए धक्के खाने पड़ रहे हैं। रात के 11 बजे से लाइन लगाकर खड़ी महिलाएं दूसरे दिन 12 बजे तक धक्का खा रही हैं।

सुबह तो स्थिति ही नियंत्रण से बाहर हो गई। दिन के 10 बजे तक वितरण शुरू नहीं हुआ तो उपभोक्ताओं का धैर्य टूट गया। बाईपास मार्ग जाम कर दर्जनों उपभोक्ता धरना पर बैठ कर प्रशासन के विरूद्ध नारेबजाी करने लगे। इसी बीच गैस लेकर गाड़ी पहुंची तो कई उपभोक्ता उसके आगे लेट गए।

प्रभारी निरीक्षक आशुतोष सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे तो स्थिति सामान्य हुई और वितरण शुरू हो सका। एजेंसी संचालक जितेंद्र कुमार का कहना है कि डिमांड के अनुसार आपूर्ति नहीं मिलने से दिक्कत आ रही है। सुबह गैस की गाड़ी विलंब से आई थी। इसलिए कुछ लोग हंगामा करने लगे।

बुधवार की देर रात एक वीडियो एक मिनट 34 सेकेंड का इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें कुछ लोग रात के अंधेरे में गैस गोदाम से भरा हुआ सिलेंडर ले जाकर जाते हुए दिख रहे हैं। यह वीडियो नगर में संचालित एक गैस एजेंसी का बताया जाता है। जागरण इसकी पुष्टि नहीं करता। लोगों का आरोप है कि दिन में गैस रोक कर एजेंसी संचालक द्वारा रात को रिफिलिंग करने वाले तथा ब्लैक बेचने वालों को सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। वीडियो में थाने का एक सिपाही भी गैस ले जाने वालों की मदद करते दिख रहा है।

एसडीएम ने मंगलवार की देर शाम तहसील कार्यालय में गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक कर गुरुवार से कसया के तीन और फाजिलनगर के एक गैस एजेंसियों से होम डिलिवरी शुरू कराने की योजना बनाई थी। इनमें से केवल कुरमौटा स्थित भारत गैस एजेंसी के संचालक राजेश्वर मणि द्वारा आंशिक वितरण किया जा सका। शेष जगह जई व्यवस्था लागू नहीं हो सकी। रात में एजेंसी से गैस निकालने का वीडियो मुझे मिला है। पूर्ति निरीक्षक के माध्यम से मैं इसकी जांच करा रहा हूं जो भी दोषी मिलेगा उसके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को प्रशासन कड़ा दंड देगा।

दुबेहना देवी मंदिर पर जबाबी बिरहा गायन में समा बाधेगीं रविशंकर देहाती व रवीना रंजन

– पिता स्व महात्मा घनश्याम जी के प्रेरणा से प्रति वर्ष जबाबी बिरहा का होता है आयोजन– ब्रह्मदेव यादव देवा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। रामनवमी के अवसर पर कुदरहा ब्लाक के बैसिया कला गांव में स्थापित दुबेहना देवी मंदिर पर शुक्रवार को जबाबी–बिरहा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें आकाशवाणी,दूरदर्शन लखनऊ से रविशंकर देहाती व बिहार से रवीना रंजन का प्रतिस्पर्धी मुकाबला होगा।

उक्त जानकारी कार्यक्रम आयोजक भाजपा पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष व पूर्व ब्लाक प्रमुख ब्रह्मदेव यादव देव ने दी। उन्होंने बताया कि हमारे पिता स्वर्गीय महात्मा घनश्याम के अथक प्रयास के बाद मंदिर का निर्माण कराकर बिरहा का भी आयोजन करते थे। उन्हें की प्रेरणा से मैं भी प्रत्येक वर्ष रामनवमी के दिन बिरहा का आयोजन व भंडारा कराते है।

पेट्रोल पंप पर मिली अनियमितता, 400 लीटर डीजल जब्त

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले में अफवाह के चलते पेट्रोल पंपों पर लोगों की लंबी लाइन लग गई है और मारामारी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। गुरुवार की सुबह सलेमपुर–देवरिया मार्ग पर सोनूघाट के समीप स्थित नायरा पेट्रोल पंप पर बड़ी गड़बड़ी पकड़ी गई। एक ट्राली में दो ड्रम में 400 लीटर डीजल पकड़ा गया। इसके संबंध में डीएम दिव्या मित्तल ने केस दर्ज कराने का निर्देश दिया है।

अफवाहों से सतर्क रहिए, जरूरत हो तभी पेट्रोल-डीजल लेने जाएं -सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ईरान–इजराइल युद्ध लंबा खिंचा तो हर व्यक्ति प्रभावित होगा। हमें मानसिक रूप से तैयार रहना होगा। अफवाहों पर ध्यान नहीं देना है। कुछ लोग अफवाह फैलाकर माहौल खराब कर रहे हैं। जरूरत हो तभी पेट्रोल डीजल लेने जाएं। अफवाह के चक्कर में जब पड़ते हैं तब लोग हमारी राष्ट्रभक्ति पर संदेह करते हैं। सरकार के साथ किसी भी नेशनल इश्यू में काम करते हैं तो यही राष्ट्रभक्ति है। कोई भी रसोई गैस का सिलिंडर एक महीने चल जाता था। आज लोग पांचवे छठवें दिन ही सिलिंडर लेने चले जा रहे हैं। इसकी क्या जरूरत है। सिलिंडर होम डिलीवरी कराए। लाइन लगाने की आवश्यकता नहीं है। भारत में सब अच्छा है। उत्साहपूर्ण तरीके से सभी कार्यक्रम हो रहे है।

मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को गीडा में 20 करोड़ रुपये की लागत से बने आईटी पार्क के लोकार्पण के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप चलाने वाला व्यक्ति अपना कंप्यूटर लेकर आईटी पार्क में जाएगा उसको जगह, बिजली कनेक्शन और अन्य जन सुविधाओं की टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। जहां भी सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी अपना धमक दिखा रही है उसका सबसे सफल मॉडल यही है। हमारे युवा में टैलेंट है। इस टैलेंट को जब टेक्नोलॉजी से जोड़ते हैं तो वह अपने आप में अपनी प्रतिभा को कई गुणा तेजी के साथ आगे बढ़ाने में सफल रहता है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। 2014 के पहले की सरकारों के युवाओं के स्केल को स्किल में बदलने का प्रयास नहीं किया। इसके परिणाम से युवा निराश होते थे और पलायन करते थे। 2014 के बाद एक एक क्षेत्र में परिवर्तन देखने को मिला। सॉफ्टवेयर की फील्ड में जो भी युवा अपने स्टार्टअप के लिए प्लेटफॉर्म चाहता है उसे यहां मिलेगा।

15 अप्रैल को पूर्वी यूपी के पहले सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ होने जा रहा है। अब हम केवल हार्डवेयर में ही नहीं सॉफ्टवेयर में भी अपनी क्षमता दिखाएंगे। इस बार के बजट में टेक्नोलॉजी पर विशेष फोकस किया गया है। जब हम तकनीक से परहेज करते हैं तो प्रतिस्पर्धा में नहीं रहते। हमें दुर्गति के नहीं प्रगति के मार्ग पर चलना है। एमएमएमयूटी को ग्रीन हाइड्रोजन पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस दिया गया है। नया भारत विरासत और विकास में विश्वास करता है। एनर्जी के लिए हमें किसी के भरोसे न रहना पड़े इसके लिए ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को लाना पड़ेगा। जापान इस तकनीक में काफी आगे है। उनके साथ मिलकर इस कार्यक्रम में आगे बढ़ेंगे।

यूपी में जिस क्षेत्र में संभावना है उसके लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया जा रहा है। कानपुर में लेदर और ड्रोन टेक्नोलॉजी के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया। वर्ल्ड बैंक के साथ मिलकर एग्रीटेक में काम कर रहे हैं। गीडा में प्लास्टिक पार्क भी विकसित हो रहा है। सीएम ने कहा कि इस समय युद्ध से पूरी दुनिया प्रभावित है। उन्होंने सांसद रविकिशन की चुटकी लेते हुए कहा कि अगर वहां युद्ध नहीं हो रहा होता तो रविकिशन इस समय दुबई में होते। आज समय है तो बोले सहजनवा चल लेते हैं। रविकिशन को विश्वास नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा कि गोरखपुर में पांच हजार करोड़ रुपये लग गए होंगे। मैंने कहा गोरखपुर में पिछले पांच वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये लग चुके हैं। गोरखपुर से हाइवे कनेक्टिविटी अच्छी हो गई है। सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि इस पार्क से बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। यह ऐतिहासिक कार्य है। राजेश त्रिपाठी बड़ा चर्चा में हैं। विधायक के रूप में आपको देखना चाहिए संसद भी है। उसे भी कुछ बोलना होता है। यहां बच्चे टेक्नोलॉजी में आगे आएंगे। यूरोप में जो कंपनी हैं वहां भारतीय युवा काम कर रहे। भारतीय युवाओं के दिमाग को खरीदा जाता है। सीख के देश के बाहर मत चले जाना। जहां कभी कब्रिस्तान बनना था वहां आज उद्योग लग रहे हैं। चुनाव कपार पर बा। विपक्ष सरकार को बदनाम कर रहा। ओछी राजनीति शुरू हो गई है। आपलोग बहुत दुर्गति में रहे हो। अब अच्छे दिन आए है।

पंपों पर लटक रहे नो फ्यूल के बैनर, तड़के से ही लगी लंबी लाइनें, किसान भी परेशान

संवाददाता–अंबेडकरनगर। पेट्रोल–डीजल की पर्याप्त उपलब्धता के दावों के बीच बेतहाशा मांग से हालात बिगड़ रहे हैं। बृहस्पतिवार को शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के पंपों पर नो फ्यूल के बैनर लटकने लगे। जहां फ्यूल की उपलब्धता है वहां लोगों की भारी भीड़ के कारण व्यवस्थाएं बेपटरी हो रही हैं। पहले ईंधन पाने के लिए लोग आपस में नोकझोंक करने पर उतारू हो रहे हैं। हालात काबू में करने के लिए पुलिस की मौजूदगी में वितरण कराया जा रहा है। अकबरपुर शहर में बुधवार देर रात तक लोग पेट्रोल पाने के लिए सड़कों पर नजर आए। रात करीब 10 बजे शहर के टांडा मार्ग स्थित अमन पेट्रोल पंप की लाइटें बंद करनी पड़ी और रास्ते को ट्रक और जेसीबी लगाकर अवरुद्ध करना पड़ा। जगमोहन फिलिंग स्टेशन पर 300 से अधिक बाइकर्स और कार चालक उमड़ पड़े। लोगों की भीड़ इस कदर बढ़ गई कि कोतवाल श्रीनिवास पांडेय अपनी टीम के साथ पहुंचे और करीब 11 बजे तक लाइन लगवाकर वितरण कराया। इसके बाद इसे भी बंद करना पड़ा। सुबह होते ही एक बार फिर लोगों की भीड़ पंपों पर उमड़ना शुरू हो गई।

दोपहर होते–होते जगमोहन और मल्होत्रा फिलिंग स्टेशन को छोड़कर टांडा मार्ग पर सभी पंप ड्राई हो गए। अयोध्या मार्ग पर सौरभ फिलिंग स्टेशन पर पेट्रोल के लिए मारामारी मची रही। शाम तक यही हालात बने रहे। जगमोहन फिलिंग स्टेशन पर रुक–रुककर बिक्री की गई। जमुनीपुर क्षेत्र के शिवाजी फिलिंग स्टेशन पर बुधवार शाम से ही ईंधन नहीं है। बसखारी क्षेत्र में जलालपुर मार्ग पर दमयंती पेट्रोल पंप, अकबरपुर मार्ग पर इंडियन ऑयल के पंप, जहांगीरगंज मार्ग पर यादव फिलिंग स्टेशन पर बुधवार रात से ही डीजल–पेट्रोल खत्म हो चुका है। बरियावन बाजार और किछौछा में पंपों पर पेट्रोल मिल रहा लेकिन डीजल नहीं है। किसान डीजल लेने के लिए केन लेकर भटक रहे हैं। पेट्रोल पंप संचालकों ने बाइक के लिए 200 रुपये व कार चालकों के लिए 500 रुपये की लिमिट तय कर दी है। टांडा क्षेत्र में बृहस्पतिवार को हालात सुधरने लगे हैं। बुधवार को जहां केवल फाइन फिलिंग स्टेशन हयातगंज टांडा पर ही पेट्रोल मिल रहा था। वहीं, अब मेला फिलिंग स्टेशन थिरुआपुल, सावित्री फिलिंग स्टेशन आसोपुर, चंद्रावती फिलिंग स्टेशन अलीगंज, विंध्याचल फिलिंग स्टेशन सेम्हरिया और एनटीपीसी के पास स्थित पंपों पर पेट्रोल–डीजल उपलब्ध है। पंपों पर भोर से ही बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर ट्रॉली और जरी केन लेकर घंटों लाइन में लगे रहे। जलालपुर तहसील क्षेत्र के मुंडेहरा शनिचरी बाजार स्थित पंप पर सुबह से तेल लेने के लिए लोग पहुंचना शुरू हो गए। किसान गन्ने की सिंचाई, गेहूं की कटाई और मड़ाई के लिए केन और ट्रैक्टर ट्रॉलियों में डीजल लेने पहुंचे। रफीगंज स्थित पेट्रोल पंप पर नो फ्यूल का बोर्ड लगा रहा। लालपुर दक्षिणी निवासी बृजेश सिंह यादव ने बताया कि तेल की किल्लत नहीं है, फिर भी लोग स्टोर कर रहे हैं।

अकबरपुर के राबी बहाउद्दीनपुर के नमन पांडेय बृहस्पतिवार दोपहर टांडा मार्ग स्थित देवांश पेट्रोल पंप पर फ्यूल लेने पहुंचे। लेकिन, यहां उपलब्धता न होने के कारण इन्हें निराश होना पड़ा। नमन ने बताया कि अधिक मांग के कारण जरूरतमंद लोगों को भटकना पड़ रहा है। वहीं, जलालपुर क्षेत्र के शिक्षक पारसनाथ ने बताया कि हालात यही रहे तो रामनवमी के अवकाश के बाद स्कूल खुलने पर शिक्षकों के सामने संकट होगा। पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद लोग स्टोर करने के लिए अधिक पेट्रोल–डीजल खरीद रहे हैं। इन्होंने लोगों से अपील की है कि आवश्यकतानुसार ही खरीद करें।

मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को किया जागरूक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद के इटवा थाना क्षेत्र अंतर्गत गालापुर स्थित प्राचीन गालापुर मंदिर परिसर में गुरुवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण के तहत एक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान इटवा थाना की मिशन शक्ति पुलिस टीम ने बालिकाओं और महिलाओं को महिला सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। अभियान के तहत, पुलिस टीम ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें आपात स्थिति में इनके उपयोग के प्रति जागरूक किया। साथ ही, महिलाओं को अपने साथ होने वाले अपराधों से बचाव के उपाय भी समझाए गए।

यह अभियान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर चलाया गया। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी इटवा प्रवीण प्रकाश एवं प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। पुलिस टीम ने महिलाओं को बताया कि वे प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के माध्यम से अपनी समस्याएं दर्ज करा सकती हैं। इस दौरान महिला सुरक्षा से जुड़े प्रमुख हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी गई, जिनमें 1090 वुमेन पावर लाइन 181 महिला हेल्पलाइन1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 112 पुलिस सहायता 1098 चाइल्ड केयर 108 एम्बुलेंस, 101 अग्निशमन 14567 एल्डर हेल्पलाइन और 1930 साइबर हेल्पलाइन शामिल हैं। कार्यक्रम में नई कानूनी धाराओं और नियमों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई, जिससे महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग किया जा सके।

इस अवसर पर मिशन शक्ति टीम इटवा थाना की महिला कांस्टेबल अल्का त्रिपाठी और महिला कांस्टेबल रविता यादव उपस्थित रहीं।

पेट्रोल लेने को लेकर हुआ विवाद, लात–घूसों से पीटा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। धौरीकुइया स्थित एक पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान दो उपभोक्ताओं के बीच जमकर मारपीट हुई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। यह घटना जनपद के कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत हुई।

जानकारी के अनुसार, पेट्रोल भरवाने के दौरान लाइन में लगने और पहले पेट्रोल लेने को लेकर दोनों उपभोक्ताओं में कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने एक–दूसरे पर लात–घूंसे और थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए।

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि दोनों उपभोक्ता एक–दूसरे को पीट रहे हैं, जबकि आसपास मौजूद लोग उन्हें रोकने का प्रयास कर रहे हैं। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बीच–बचाव कर दोनों को अलग किया, जिसके बाद मामला शांत हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इन दिनों पेट्रोल पंप पर अधिक भीड़ होने के कारण अक्सर लोगों के बीच बहस होती रहती है। इसी तनावपूर्ण माहौल में यह विवाद हिंसक हो गया। बताया जा रहा है कि यह वायरल वीडियो एक दिन पुराना है।

इस घटना के बाद क्षेत्र में पेट्रोल पंपों पर बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो भविष्य में ऐसी और घटनाएं हो सकती हैं। फिलहाल, यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इस घटना पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

सीएम योगी बोले– किसी की जमीन दबंग कब्जा कर रहे, तो करें सख्त कार्रवाई, उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की हर समस्या का त्वरित समाधान कराएं। समस्या से जुड़ी शिकायत को संवेदनशीलता से लेकर संतुष्टिप्रद निस्तारण सुनिश्चित कराने में कोई कोताही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार आपकी हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।

गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग–अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिपरक होना चाहिए।

अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं। गरीबों की संपत्ति पर गरीबों का ही कब्जा सुनिश्चित होना चाहिए। जनता दर्शन में कई पारिवारिक विवाद के मामले भी आए थे। इस पर मुख्यमंत्री ने उभयपक्षों के बीच पहले संवाद और बात न बनने पर यथोचित विधिक कार्यवाही के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में शिवावतार गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है।

गुरुवार सुबह वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में सीएम योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए गोवंश के माथे पर हाथ फेरा। उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

रामजन्मभूमि परिसर के सूर्य मंदिर के शिखर पर हुआ धर्म ध्वजा का आरोहण

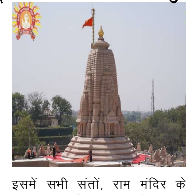

संवाददाता–अयोध्या। रामजन्मभूमि परिसर के परकोटे के मध्य निर्मित भगवान सूर्यदेव के मंदिर के शिखर पर गुरुवार सुबह लगभग दस बजे धर्म ध्वजा का आरोहण कराया गया। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने संतों की उपस्थिति में ध्वजारोहण कराया। इससे पहले आचार्यों ने मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया। तत्पश्चात डोरी के माध्यम से ध्वज 70 फीट ऊंचे शिखर पर चढ़ाया गया। इसमें सभी संतों, राम मंदिर के व्यवस्थापक गोपाल राव और एसपी सुरक्षा बलरामचारी दुबे आदि ने सहयोग किया। ट्रस्ट ने सूर्य मंदिर का निर्माण परकोटे के दक्षिणी–पश्चिमी (नैऋत्य) कोण पर कराया है। इसमें सूर्यदेव की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा गत वर्ष पांच जून को ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों हुई थी। सूर्य मंदिर की धर्म ध्वजा का राम मंदिर के व्यवस्थापक गोपाल राव ने बताया कि ध्वजारोहण के अवसर पर प्रमुख संतों को आमंत्रित किया गया था।

जिनमें राम मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष व मणिरामदास जी की छावनी के महंत नृत्यगोपालदास के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, दशरथ महल के महंत बिंदुगाद्याचार्य देवेंद्रप्रसादाचार्य, बावन मंदिर के महंत वैदेहीवल्लभशरण, अशर्फी भवन के पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्रीधराचार्य, लक्ष्मण किला के महंत मैथिलीरमणशरण, रंगमहल मंदिर के महंत रामशरणदास सहित अन्य शामिल रहे।

तेजस्वी सूर्या ने परिवार सहित रामलला के दरबार में लगाई हाजिरी

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में रामनवमी की तैयारियां अपने चरम पर हैं। इसी बीच गुरुवार को भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने परिवार सहित पहुंचकर रामलला का आशीर्वाद लिया। उन्होंने मंदिर की भव्यता और व्यवस्थाओं की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि रामनवमी के अवसर पर परिवार और अपने कार्यकर्ताओं के साथ रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला। देश को एकजुट रखने में राम तत्व और कृष्ण तत्व का बहुत बड़ा योगदान है। पिछली बार जब आया था, तब मंदिर निर्माण अधूरा था, लेकिन इस बार इसकी भव्यता अद्भुत है।

तेजस्वी सूर्या ने मंदिर ट्रस्ट द्वारा किए गए इंतजामों की भी तारीफ की। देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था की सराहना की। कहा कि लाखों की संख्या में भक्त यहां आ रहे हैं।

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय सिद्धार्थनगर
घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 1359/2025
थाना–सिद्धार्थनगर
जिला–सिद्धार्थनगर
श्रीमती पुष्पलता शर्मा
बनाम
सचिन शर्मा आदि

1– सचिन शर्मा पुत्र सतीश शर्मा (पति) 2. सतीश शर्मा पुत्र (ससुर) 3. साधना शर्मा पत्नी सतीश शर्मा (सास) 4. नितिन शर्मा उर्फ प्रिन्स पुत्र सतीश शर्मा (जेठ) 5. नीलू शर्मा पत्नी नितिन शर्मा उर्फ प्रिन्स (जेठानी) 6. वैभव शर्मा पुत्र सतीश शर्मा (देवर) निवासीगण मु0 नई बाजार कस्बा पचेड़वा थाना कोतवाली पचेड़वा जिला बलरामपुर –विपक्षीगण

तारीख पेशी 06–04–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 06 मास 04 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख 18.03.2026 को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/एफ0टी0 सी0 (सी0ए0डब्लू0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 246/2024
थाना–रूधौली
जिला–बस्ती
कुलसुम खातून आदि
बनाम
मोहम्मद आसिफ

1– मोहम्मद आसिफ उम्र करीब 30 वर्ष पुत्र मोहम्मद ताहिर ग्राम व पोस्ट जमदाशाही थाना वाल्टरगंज जिला बस्ती
–विपक्षीगण

तारीख पेशी 21–04–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्फत तारीख 21 मास 04 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–202/2023
श्रीमती श्यामराजी
बनाम
नेबूलाल आदि

1. नेबूलाल उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र सतगुरु 2. सहवान उम्र 40 वर्ष 3. रहिमान उम्र 38 वर्ष 4. रहीम उम्र 37 वर्ष पुत्रगण बास अली 5. रक्षाराम उम्र 52 वर्ष 6. राजू उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्रगण सतगुरु 7. रमेश उम्र लगभग 38 वर्ष पुत्र रामकिशोर निवासीगण ग्राम मोहनाखोर तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–115/2025
श्रीमती अनवर जहाँ
बनाम
श्रीमती आसिया खातून आदि

1. श्रीमती आसिया खातून उम्र लगभग 43 साल पत्नी मो0 अकरम निवासिनी ग्राम रूधौली कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती
–प्रतिवादिनी प्रथम वर्ग
2. श्रीमती पुष्पा सिंह उम्र लगभग 36 साल पत्नी श्री राम कुमार सिंह निवासिनी ग्राम बांसखोर कलां तप्पा बांसखोर परगना बस्ती पूरब तहसील रूधौली जिला–बस्ती
–प्रतिवादिनी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 30–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–4/2007
श्यामलाल
बनाम
विश्वनाथ

1/1.श्रीमती सवारी देवी पत्नी रामतीरथ पुत्री विश्वनाथ साकिन मौजा टिठौरी पो0 दुधारा जिला संतकबीरनगर 1/2 श्रीमती शकुन्तला पत्नी नरसिंह पुत्री विश्वनाथ साकिन मौजा पोखरभिटवा पो0 वो थाना धर्मसिंहवा जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 30–03–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर के कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 30 माह 03 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com